

प्रतापगढ़ संदेश

मनरेगा योजना के सम्बंध

में जनसंवाद व

जनसुनवाई कार्यक्रम कल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा

के विकास भवन के द्वितीय तल

पर स्थित कार्यालय में 10

सिंहतालवार द्वारा जनसंवाद व

जनसुनवाई कार्यालय शुरू होगा

जो दोपहर 12 से 1 बजे

तक प्रत्यक्ष मंगलवार व शुक्रवार

को आयोजित होगा। इस समय

लोकपाल मनरेगा समाज शेखर

जनसामान्य, मजदूरों, मनरेगा

कार्यक्रम व विशिष्ट नागरिकों

से मनरेगा योजना में प्रभावाचार

व अनेकमिती के सम्बंध में

संवाद एवं सुनवाई करेंगे।

लोकपाल समाज शेखर ने कहा

है कि इस दिन निर्धारित अवधि

में सलाह व शिक्षण तथा

परमुचित जांचपारंत दोहरा। ठांस

व व्यापाराइक नार्यावाही

सुनिश्चित होगी।

विश्व शांति की कामना के साथ शुरू हुआ जैनधर्म का पर्यूषण पर्व

भगवान ऋषभनाथ का हुआ विधि-विधान के साथ शांतिधारा महाभिषेक



भगवान ऋषभनाथ का महाभिषेक करते जैन धर्म के अनुयायी।

अयोजन हुआ। इस अवसर पर भक्तों ने नाच गाकर पूजन अवन किया।

इसके साथ ही माहिलाओं द्वारा आती

ओर, तीर्थकर पूजन विधान के

उपरान्त दशलक्षण विधान का

समाज के अध्यक्ष ऋषभ चन्द्र जैन ने पर्व की महात्मा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पर्यूषण इस देश का पहला पर्व है जो मानव को भोग

पथ से हटाकर योग पथ की ओर अग्रसर करता है। पर्यूषण आमोद प्रोद्ध का नहीं बल्कि सेव्य, साधना और उपरान्त का पर्व है। जैन समाज

के महामंत्री प्रदीप कुमार जैन ने बताया कि त्याग ब्रत की शिक्षाओं को अपने अन्दर संजोये यह पर्व हमें दस धर्मों के अपने पर जोर देता है। जैन समाज के संस्कृत ध्वज कुमार जैन ने बताया कि पर्यूषण आत्मराधान एवं आत्मराशन का महावर्ष है जो आत्मा के प्रदूषण काम, क्रोध, मद, लोभ आदि किरारी भावों को दूर करने का माध्यम है। इस अवसर पर मेवालाल जैन, ऋषभ चन्द्र जैन, सुनील कुमार जैन, सदीप कुमार जैन, राजेश जैन, सुनील यादव, मनोज यादव, धीरज कुमार, उमेश मनोज जैन, राजीव जैन, संजीव जैन, मिटाई लाल जैन, आकाश जैन, यश जैन, निहारिका जैन, गीता जैन, प्रीति जैन, अंकुर जैन, अकिंत जैन, निमल जैन, जानू जैन, अनिल जैन, सोनेन लाल जैन आदि उपस्थित थे। पर्व का समापन 18 सितंबर को होगा।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने नगर पंचायत भवन के हस्तांतरण के लिये सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

होने के कारण नगर पंचायत की आवश्यक सामग्रियों के रखखाल में बाला पैदा हो रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने अपर जिलाधिकारी व प्रभारी नगर पंचायत के साथ सभी सभासदों ने उच्चाधिकारियों के साथ शांतिधारा महाभिषेक के हस्तांतरण की मांग की है। अब देखना यह होगा कि उच्च अधिकारियों द्वारा मामले को गोपीनेता व अध्यक्ष ने लेते हुए नगर पंचायत भवन का हस्तांतरण कराया जाता है या उसे नगर पंचायत द्वारा उठाया जाता है। इस दौरान नगर पंचायत द्वारा उत्तरांतरण का अधिकारी सदूचारी का आयोग लगाते हुए नगर पंचायत भवन को हस्तांतरण नहीं करने की शिकायत की है। नगर अध्यक्ष का निर्णय निहारिका जैन, गीता जैन, प्रीति जैन, अंकुर जैन, अकिंत जैन, निमल जैन, जानू जैन, अनिल जैन, सोनेन लाल जैन आदि उपस्थित थे। इन्होंने कहा कि उच्चाधिकारी नींवी की गई है जिस कारण का संचालन करना पड़ रहा है। अपीली कार्यवाही नींवी की गई है जिस कारण अपीली तक भवन के हस्तांतरण की कार्यवाही नींवी हो पा रही है।

सोनामऊ गंगाघाट पर विधायक निधि से स्वीकृति हुआ यात्री शेड

अखंड भारत संदेश

क्षेत्र व ग्रामवासियों में दौड़ी खुशी की लहर



सोनामऊ घाट पर यात्री शेड का भूमि पूजन करते जैवनलाल

सोनामऊ गंगाघाट

विधायक निधि से स्वीकृति हुआ यात्री शेड

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जैले के विशिष्ट क्षेत्रों

से आए हुए बच्चों एवं युवा के

जन्म से फ़ेरे फ़ेरे होंठ, तथा तालु

विकास संबंधी विकास शिक्षण में

वाराणसी से पदाश्री डॉ। जयंत

तपादार तथा उनके सहयोगी डॉक्टर

अंकुर के दुबे सजन की टीम ने 24

मीरज का परीक्षण किया।

परीक्षण के उपरान्त 18 बच्चों

को आगामी एक माह के अंदर

स्वास्थ्य संबंधी डॉक्टर और

उपरान्त रहे। अंकुर डॉ। शाहिदा

ने सभी आगंतुक प्रबंधकों के

प्रति आगामी आप्रक्रिया

को देखा।

सेफुल्लाल समरपील एकेडमी

के विशिष्ट विद्यालयों के

प्रबंधकों के विशिष्ट विद्यालयों

के विशिष्ट विद्यालयों के

प्रबंधकों के विशिष्ट विद

अमेरिका के तीन दिवसीय दौरे पर राहुल गांधी, टेक्सास पहुंचे, बोले-मैं वास्तव में बहुत खुश हूं



टेक्सास। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं। तीन दिवसीय इस दौरे में राहुल गांधी रविवार को टेक्सास के डलास पहुंचे, जहां भारतीय प्रवासी और इंडियन ऑवरसीज कार्प्रेस (आईओसी) के सदस्यों ने उनका गमजाशी से स्वागत किया।

राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने लिखा 'टेक्सास के डलास में जो भारतीय प्रवासियों और इंडियन ऑवरसीज कार्प्रेस के सदस्यों ने मेरा स्वागत किया, उससे मैं वास्तव में बहुत खुश हूं।'

राहुल गांधी ने पोस्ट में अगे लिखा, 'मैं इस यात्रा के दौरान सार्वांगी और व्यावहारिक बातचीत में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा।'

कांग्रेस ने एक पोस्ट पर एक वीडियो साझा करते हुए पोस्ट - "श्री राहुल गांधी का भारतीय प्रवासियों और भारतीय प्रवासी कांग्रेस के सदस्यों द्वारा गमजाशी से स्वागत किया गया।"

भारत को यह टेक्नोलॉजी देने को तैयार हुआ रूस, चांद पर बन सकेगी बिजली, अमेरिका की बढ़ेगी टेंशन?

मॉर्स्को: चांद को लेकर रूस की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। रूस चाहा है कि चांद पर एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाया जाए। कथित तौर पर, भारत ने रूस के साथ इस परियोजना में जुड़े हुए अपने दिवायारी दिखाई दी है। रूस की यह परियोजना चीन के साथ चंद्रमा पर बेस बनाने के साथ जुड़ा है। रूस के गश्त परमाणु नियम, रेसोर्टम (Rosatom) के नेतृत्व में इस परियोजना को बनाना जाना है। परियोजना का बाहरी ओर भारतीय एक छोटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र का विकल्प बनाने के अंतर्गत भारतीय और अमेरिकी भागीदारी के साथ हमारे चीनी और भारतीय हैं जो बेस के लिए लगभग आधा

मेवाट की ऊर्जा देता करने में सक्षम हो। TASS की एक रिपोर्ट के मुांब रेसारोटम के प्रमुख एकेसी लिंकेचेप ने कहा कि यीन और भारत चांद पर ऊर्जा के लिए उत्सुक हैं। ईस्टर्न इको-ऑपरेटिव फोरम में बोलते हुए उन्होंने कहा, "हमें चंद्रमा पर आधे मेवाट तक की क्षमता बाला परमाणु ऊर्जा संयंत्र का विकल्प बनाने की उम्मीद है। यह लगभग चार गुना ज्यादा है। हालांकि इसका पृथ्वी के चंद्रमा की दूरी से यह लगभग चार गुना ज्यादा है। यह लगभग 4.6 अब साल पुराने हैं। ग्रहों के विपरीत इसमें वायुमंडल का भूलिया होता है। उनका आकार तब भी किया जाता है, जब ये एस्टरेंगेड कोई नुकसान न पहुंचाने वाले हों।

पृथ्वी के करीब से यह अमेरिका की वैज्ञानिकों को इनकी निगरानी करने का सूनरा मौका देता है। इसके अलावा इन्सों होने वाले जीवितों के आकलन में मदद करता है। इनका आकलन तब भी किया जाता है, जब ये एस्टरेंगेड कोई नुकसान न पहुंचाने वाले हों। एस्टरेंगेड की स्टडी क्यों जरूरी है? एस्टरेंगेड को अक्सर लघु ग्रह कहा जाता है। यह शुरुआती सौर मंडल के प्राचीन अवशेष है। यह लगभग 4.6 अब साल पुराने हैं। ग्रहों के विपरीत इसमें वायुमंडल का भूलिया होता है। उनका आकार भी अनियमित होता है। वैज्ञानिक लगातार इनकी स्टडी करते

पृथ्वी के करीब से यह रहते हैं। यह पृथ्वी के करीब की वस्तु है। इनकी पृथ्वी के करीब से यह ग्रह के लिए यहां प्रवासी भारतीय बिजेस ने तब भी किया जाता है, जो यहां पर लैंडिंग की उम्मीद रही है। मानव के लिए स्थितियां उचित नहीं हैं। इसके बावजूद हम अनेक वाले सालों में एक शहर बनाने का लक्ष्य है, जो खुद की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। अनेक वाले वर्षों में किसी ना किसी ग्रह पर जरूरत होगी। मगल ग्रह पर जीवन का शुरू करने की स्वतंत्रता! नासा के रोवर ने कर डाली सबसे बड़ी खोज।

10 लाख लोगों को भेजने की योजना। स्पेसएक्स ने हाल ही में हेवी बूस्टर के साथ अन्य 400 कुट ऊंचे स्टराइशप में लैटफॉर्म 'एस्टरेंगेड' पर एक पोस्ट में टेक अरबति ने 'मंगल ग्रह पर पहला स्टाराशिप देखा जाना' की निर्माण लैंडिंग की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए इन शामिल किया जायगा। अगर लैंडिंग अच्छी रही, तो मंगल ग्रह पर पहले क्रू तक उड़ान उड़ान चूकी जायगी। मानव के लिए स्थितियां उचित नहीं हैं। इसके बावजूद हम अनेक वाले सालों में एक अंतरिक्ष यात्रा जीवन की तीव्री परीक्षण उड़ान शुरू की है। स्टराइशप में एक विश्वास बूस्टर होता है, जिसे सुपर हेवी की होती है। इसमें ऊपरी हिस्से में एक अंतरिक्ष यात्रा को क्षीर्षों के कम से कम दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना बना रही है।



मंगल ग्रह पर शहर बसाने की तैयारी, मेजे जाएंगे 10 लाख इंसान

वॉशिंगटन: टेस्ला और स्पेसएक्स के सीरीजों एलन मस्क ने रविवार को कहा कि मंगल ग्रह पर पहला अनकूड स्टाराशिप मिशन दो साल में लॉन्च किया जाएगा। स्टराइशप दुनिया का प्रथम लैंडिंग इंसानों को चंद्रमा और फिर अंत में मंगल ग्रह पर भेजने के लिए किया जाएगा। सोशल मीडिया 'लेटफॉर्म' पर एक पोस्ट में टेक अरबति ने 'मंगल ग्रह पर पहला स्टाराशिप देखा जाना' की निर्माण लैंडिंग की विश्वसनीयता को लेकर भी काफी उत्साहित है।'

राहुल गांधी 9-10 सितंबर को वाशिंगटन डीसी में आयोजित होने वाली कई महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा ले रहा है। उन्होंने वायानाड में लोकसभा सीट से सांसद बनना ठीक समझा। उन्होंने वायानाड की सीट से अपनी बहन प्रियंका गांधी को आगे किया है। इस साल जून में कांग्रेस कार्य समिति (सोसाइटी ऑफ बैड्यूसी) से मंजरी मिलने के बाद उन्हें लोकसभा में विषयक का नेता (एलओपी) नियुक्त किया गया गया।

तैयारी भी होगी। मस्क की एपरेंसी कंपनी स्पेसएक्स ने पहली पूरी तरह से रियज होने वाली रोकेट का निर्माण किया है। इससे सेशंस मिशन पर आगे वाले ख्यालों में काफी कमी आएगी। मस्क ने आगे बताया, 'मंगल ग्रह पर एक पोस्ट में टेक अरबति ने 'मंगल ग्रह पर पहला स्टाराशिप देखा जाना' की निर्माण लैंडिंग की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए इन शामिल किया जायगा। अगर लैंडिंग अच्छी रही, तो मंगल ग्रह पर पहले क्रू तक उड़ान उड़ान चूकी जायगी। मानव के लिए स्थितियां उचित नहीं हैं। इसके बावजूद हम अनेक वाले सालों में एक अंतरिक्ष यात्रा जीवन की तीव्री परीक्षण उड़ान शुरू की है। स्टराइशप में एक विश्वास बूस्टर होता है, जिसे सुपर हेवी की होती है। इसमें ऊपरी हिस्से में एक अंतरिक्ष यात्रा को क्षीर्षों के कम से कम दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना बना रही है।

पृथ्वी के लिए खतरनाक हैं एस्टरेंगेड एस्टरेंगेड हमेशा से पृथ्वी के लिए खतरनाक रहे हैं। इतिहास में पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड की टक्कर होती रही है। चिक्सुलब की घटना इसमें से एक है। इसके कारण लगभग 6.6 करोड़ साल पहले डायानासोर का पूरी तरह खात्मा हो गया।

ऐसे में एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड की टक्कर होती रही है। चिक्सुलब की घटना इसमें से एक है। इसके कारण लगभग 6.6 करोड़ साल पहले डायानासोर का पूरी तरह खात्मा हो गया।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।

पृथ्वी के लिए एस्टरेंगेड के खतरों को लेकर हमेशा सावल उठते रहते हैं। डरकम्ब-पैरेंज और हायाक्यु-सी-2 जैसे मिशनों ने एस्टरेंगेड के नमूनों को इकट्ठा किया है। यह सारे मंडल की उत्तमता देते हैं।